Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Prof. Pawan Sharma nominated for Fulbright Scholar-in-Residence Fellowship

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 24-06-2023**

प्रो. पवन शर्मा को फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए किया गया नामित

- दुनिया भर के 30 देशों से विभिन्न विषयों में नामित 46 विद्वानों में जगह मिली
- हकेवि के लिए एक और उपलब्धि
- सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान से विश्वविद्यालय होगा लाभांवित - प्रो. टंकेश्वर कुमार

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए नामित गया है। इस वर्ष, फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डी.सी. ने फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है। प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन शर्मा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है। यह न केवल हकेवि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हकेवि में अनुसंधान और शिक्षण की नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा जिसका हमारे विद्यार्थी व शोधार्थी आने वाले समय में लाभ उठा सकेंगे।

इस फैलोशिप के अंतर्गत, प्रो. पवन कुमार शर्मा संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्लीयन विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र बिताएंगे। यहां बता दें कि प्रोफेसर पवन को इससे पहले यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा फुलब्राइट-नेहरू इंटरनेशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड 2019, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा श्रीनिवास रामानुजन जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक 2018, केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा कांस्य पदक 2018, इंडियन केमिकल सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 सहित अन्य कई अवार्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें अंटार्कटिका के 21भारतीय वैज्ञानिक अभियान में सदस्य वैज्ञानिक के रूप में नामित हरियाणा के पहले और एकमात्र वैज्ञानिक होने का गौरव भी प्राप्त है।

वह बेंथम साइंस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित जर्नल ह्लएक्सपर्ट ओपिनियन

ऑन थेराप्यूटिक पेटेंट्सह्व के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल ह्लकरंट इंडियन साइंसह्व के मानद वरिष्ठ सलाहकार और अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, रॉयल सोसाइटी, केमिकल सोसायटी, एल्सेवियर, स्प्रिंगर, विली आदि द्वारा प्रकाशित कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के समीक्षक हैं।

फुलब्राइट फेलोशिप की बात करें तो यह 1946 में स्थापित यूएसए में काउंसिल फॉर इंटरनेशनल एक्सचेंज ऑफ स्कॉलर्स (सीआईईएस) के माध्यम से अमेरिकी सरकार का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम है। यह दुनिया भर में 160 से अधिक देशों में संचालित होता है और प्रतिभागियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता और नेतृत्व क्षमता के लिए चुना जाता है।

यह अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और साझा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान खोजने में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। फुलब्राइट समूह के अंतर्गत, फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम दुनिया भर से विजिटिंग स्कॉलर्स को संयुक्त राज्य अमेरिका के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में लाता है, जिससे संस्थानों को अपने परिसरों और पाठ्यक्रम का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने और अपने छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और आसपास का समुदाय के शैक्षिक अनुभवों में विविधता लाने में मदद मिलती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, फुलब्राइट विद्वानों को अपने क्षेत्र में अत्यधिक सम्मानित विशेषज्ञ माना जाता है और फुलब्राइट फेलोशिप अर्जित करना विद्वान और मूल विश्वविद्यालय के लिए एक असाधारण सम्मान माना जाता है जो मूल विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय दृश्यता में सुधार करते हुए अपने अनुशासन में विद्वान की प्रधानता और प्रभाव को पहचानता है। प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय बहु-जातीय अनुभव करके वह एक विस्तारित विश्वदृष्टि, अमेरिकी उच्च शिक्षा प्रणाली और इसके लोगों के लिए एक गहरी प्रशंसा, और उच्च शिक्षा परिदृश्य का विस्तार करने की क्षमता वाले सहयोगियों के एक नए नेटवर्क के साथ वापस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लौट आएंगे।

फेलोशिप और संबद्ध वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान निश्चित रूप से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षण और अनुसंधान के बेंचमार्किंग को और मजबूत करने में मदद करेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 24-06-2023**

सराहनीय

हकेंवि की एक और उपलब्धि, वीसी ने दी बधाई

प्रो. पवन फुलब्राइट फेलोशिप के लिए नामित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए नामित गया है। इस वर्ष फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डीसी ने फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस कार्यक्रम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है।

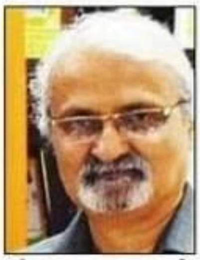

प्रो. पवन कुमार शर्मा।

प्रो. पवन कुमार शर्मा प्रदेश के पहले विद्वान हैं जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रो. और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फेलोशिप के लिए नामित किया गया है। यह न केवल हकेंवि के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा।

अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की होगी बेहतर समझ

प्रो. पवन ने कहा कि इस फेलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेंवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय और अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की बेहतर समझ मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस पुरस्कार का लाभ उठाने के बाद वापस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लौट आएंगे। फेलोशिप और संबद्ध वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान निश्चित रूप से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षण और अनुसंधान के बेंच मार्किंग को और मजबूत करने में मदद करेंगे।

यह है फुलब्राइट फेलोशिप

फुलब्राइट फेलोशिप की बात करें तो यह 1946 में स्थापित यूएसए में काउंसिल फॉर इंटरनेशनल एक्सचेंज ऑफ स्कॉलर्स के माध्यम से अमेरिकी सरकार का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम है। यह दुनियाभर में 160 से अधिक देशों में संचालित होता है व प्रतिभागियों को शैक्षणिक योग्यता व नेतृत्व क्षमता के लिए चुना जाता है। यह अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और साझा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान खोजने में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, फुलब्राइट विद्वानों को अत्यधिक सम्मानित विशेषज्ञ माना जाता है व फुलब्राइट फेलोशिप अर्जित करना विद्वान और मूल विश्वविद्यालय के लिए एक असाधारण सम्मान माना जाता है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: **Bhedi Nazar** Date: 24-06-2023

पवन शर्मा को फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए किया गया नामित

- दुनिया भर के 30 देशों से विभिन्न विषयों में नामित 46 विद्वानों में जगह मिली
- हकेवि के लिए एक और उपलब्धि। कुलपति ने दी बधाई। बोले-सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान से विश्वविद्यालय होगा लाभांवित

नारनौल/ अशोक कुमार कौशिक। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फ़ेलोशिप के लिए नामित गया है। इस वर्ष, फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डी.सी. ने फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है। प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन शर्मा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है। यह न केवल हकेवि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हकेवि में अनुसंधान और शिक्षण की नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा जिसका हमारे विद्यार्थी व शोधार्थी आने वाले समय में लाभ उठा सकेंगे।

इस फैलोशिप के अंतर्गत, प्रो. पवन कुमार शर्मा संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्लीयन विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र बिताएंगे। यहाँ बता दें कि प्रोफेसर पवन को इससे पहले यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा फुलब्राइट-नेहरू इंटरनेशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड 2019, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा श्रीनिवास रामानुजन जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक 2018, केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा कांस्य पदक 2018, इंडियन केमिकल सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 सहित अन्य कई अवार्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें अंटार्कटिका के 21भारतीय वैज्ञानिक अभियान में सदस्य वैज्ञानिक के रूप में नामित हरियाणा के पहले और एकमात्र वैज्ञानिक होने का गौरव भी प्राप्त है। वह बेंथम साइंस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित जर्नल 'एक्सपर्ट ओपिनियन ऑन थेराप्यूटिक पेटेंट्स' के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल 'करंट इंडियन साइंस' के मानद वरिष्ठ सलाहकार और अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, रॉयल सोसाइटी, केमिकल सोसायटी, एल्सेवियर, स्प्रिंगर, विली आदि द्वारा प्रकाशित कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के समीक्षक हैं। फुलब्राइट फेलोशिप की बात करें तो यह 1946 में स्थापित यूएसए में काउंसिल फॉर इंटरनेशनल एक्सचेंज ऑफ़ स्कॉलर्स (सीआईईएस) के माध्यम से अमेरिकी सरकार का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम है। यह दुनिया भर में 160 से अधिक देशों में संचालित होता है और प्रतिभागियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता और नेतृत्व क्षमता के लिए चुना जाता है। यह अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और साझा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान खोजने में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। फुलब्राइट समूह के अंतर्गत, फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम दुनिया भर से विजिटिंग स्कॉलर्स को संयुक्त राज्य अमेरिका के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में लाता है, जिससे संस्थानों को अपने परिसरों और पाठ्यक्रम का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने और अपने छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और आसपास का समुदाय के शैक्षिक अनुभवों में विविधता लाने में मदद मिलती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, फुलब्राइट विद्वानों को अपने क्षेत्र में अत्यधिक सम्मानित विशेषज्ञ माना जाता है और फुलब्राइट फेलोशिप अर्जित करना विद्वान और मूल विश्वविद्यालय के लिए एक असाधारण सम्मान माना जाता है जो मूल विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय दृश्यता में सुधार करते हुए अपने अनुशासन में विद्वान की प्रधानता और प्रभाव को पहचानता है।

प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय बहु-जातीय अनुभव करके अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की बेहतर समझ मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस पुरस्कार का लाभ उठाने के बाद, वह एक विस्तारित विश्वदृष्टि, अमेरिकी उच्च शिक्षा प्रणाली और इसके लोगों के लिए एक गहरी प्रशंसा, और उच्च शिक्षा परिदृश्य का विस्तार करने की क्षमता वाले सहयोगियों के एक नए नेटवर्क के साथ वापस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लौट आएंगे। फेलोशिप और संबद्ध वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान निश्चित रूप से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षण और अनुसंधान के बेंचमार्किंग को और मजबूत करने में मदद करेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 24-06-2023**

प्रो. पवन शर्मा को फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस फैलोशिप के लिए किया गया नामित

महेंद्रगढ़| हकेवि महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस-फ लोशिप के लिए नामित गया है। इस वर्ष, फुलब्राइट फॉरेन स्कॉलरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डी.सी. ने फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है। प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं, जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन शर्मा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है। यह न केवल हकेवि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हकेवि में अनुसंधान और शिक्षण की नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा जिसका हमारे विद्यार्थी व शोधार्थी आने वाले समय में लाभ उठा सकेंगे। इस फैलोशिप के अंतर्गत, प्रो. पवन कुमार शर्मा संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्लीयन विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र बिताएंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 24-06-2023**

प्रो. पवन का फुलब्राइट स्कालर फेलोशिप के लिए चयन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कालर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप के लिए नामित गया है। इस वर्ष, फुलब्राइट फारेन स्कालरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डीसी ने फुलब्राइट स्कालर-इन-रेसिडेंस प्रोग्राम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है। प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं, जिनका चयन हुआ है।

प्रो. पवन शर्मा

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है। यह न केवल हकेंवि के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा। इस फैलोशिप के अंतर्गत, प्रो. पवन कुमार शर्मा संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्लीयन विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र बिताएंगे।

यह है फुलब्राइट स्कालर-इन-रेसिडेंस फेलोशिप

फुलब्राइट फेलोशिप की बात करें तो यह 1946 में स्थापित यूएसए में काउंसिल फार इंटरनेशनल एक्सचेंज आफ स्कालर्स (सीआइईएस) के माध्यम से अमेरिकी सरकार का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम है। यह दुनिया भर में 160 से अधिक देशों में संचालित होता है और प्रतिभागियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता और नेतृत्व क्षमता के लिए चुना जाता है। यह अध्ययन, अध्यापन, अनुसंधान करने, विचारों के आदान-प्रदान और साझा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान खोजने में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है।

यहां बता दें कि प्रोफेसर पवन को इससे पहले यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा फुलब्राइट-नेहरू इंटरनेशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड 2019, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा श्रीनिवास रामानुजन जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक 2018, केमिकल रिसर्च सोसाइटी आफ इंडिया द्वारा कांस्य पदक 2018, इंडियन केमिकल सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 सहित अन्य कई अवाड्र्स से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें अंटार्कटिका के 21 भारतीय वैज्ञानिक अभियान में सदस्य वैज्ञानिक के रूप में नामित हरियाणा के पहले और एकमात्र वैज्ञानिक होने का गौरव भी प्राप्त है।

प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से

दुनिया भर के 30 देशों से विभिन्न विषयों में नामित 46 विद्वानों में जगह मिली, इसमें शामिल है प्रो. पवन शर्मा का नाम

निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेंवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय बहु-जातीय अनुभव करके अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की बेहतर समझ मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस पुरस्कार का लाभ उठाने के बाद, वह एक विस्तारित विश्वदृष्टि, अमेरिकी उच्च शिक्षा प्रणाली और इसके लोगों के लिए एक गहरी प्रशंसा, और उच्च शिक्षा परिदृश्य का विस्तार करने की क्षमता वाले सहयोगियों के एक नए नेटवर्क के साथ वापस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लौट आएंगे। इससे विश्वविद्यालय में शिक्षण और अनुसंधान के बेंचमार्किंग को और मजबूत करने में मदद करेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: **Haribhoomi** Date: 24-06-2023

30 देशों से विभिन्न विषयों में नामित 46 विद्वानों में जगह मिली

प्रो. पवन शर्मा को फैलोशिप के लिए किया नामित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर इन रेसिडेंस फेलोशिप के लिए नामित गया है।

प्रो. पवन कुमार।

इस वर्ष फुलब्राइट फॉरिन स्कॉलरशिप बोर्ड वाशिंगटन डीसी ने फुलब्राइट स्कॉलर इन रेसिडेंस प्रोग्राम के तहत छह महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है। प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा के पहले विद्वान हैं, जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन शर्मा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे युवा विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है। प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय बहुजातीय अनुभव करके अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की बेहतर समझ मिलेगी।

पहले भी मिल चुके है कई सम्मान

इस फैलोशिप के अंतर्गत प्रो. पवन कुमार शर्मा संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्लीयन विश्वविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र बिताएंगे। यहां बता दें कि प्रोफेसर पवन को इससे पहले यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा फुलब्राइट नेहरू इंटरनेशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड 2019, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा श्रीनिवास रामानुजन जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक 2018, केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा कांस्य पदक 2018, इंडियन केमिकल सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार 2012 सहित अन्य कई अवाइर्स से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें अंटार्कटिका के 21 भारतीय वैज्ञानिक अभियान में सदस्य वैज्ञानिक के रूप में नामित हरियाणा के पहले और एकमात्र वैज्ञानिक होने का गौरव भी प्राप्त है। वह बेंथम साइंस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित जर्नल एक्सपर्ट ओपिनियन ऑन थेराप्यूटिक पेटेंट्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल करंट इंडियन साइंस के मानद वरिष्ठ सलाहकार और अमेरिकन केमिकल सोसायटी, रॉयल सोसायटी, केमिकल सोसायटी, एल्सेवियर, स्प्रिंगर, विली आदि द्वारा प्रकाशित कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के समीक्षक हैं। फुलब्राइट फैलोशिप की बात करें तो यह 1946 में स्थापित यूएसए में काउंसिल फॉर इंटरनेशनल एक्सचेंज ऑफ स्कॉलर्स (सीआईईएस) के माध्यम से अमेरिकी सरकार का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: **Punjab Kesari** Date: 24-06-2023

प्रो. पवन शर्मा फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रैसिडैंस फैलोशिप के लिए नामित

- **दुनिया भर के 30 देशों से विभिन्न विषयों में नामित 46 विद्वानों में जगह मिली**

महेंद्रगढ़, 23 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. पवन कुमार शर्मा को प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रैसिडैंस फैलोशिप के लिए नामित गया है।

इस वर्ष फुलब्राइट फॉरिन स्कॉलरशिप बोर्ड, वाशिंगटन डी.सी. ने फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रैसिडैंस प्रोग्राम के तहत 6 महाद्वीपों के 30 देशों के विविध विषयों में 46 विद्वानों को मंजूरी दी है।

प्रो. पवन कुमार शर्मा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पहले विद्वान हैं जिन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

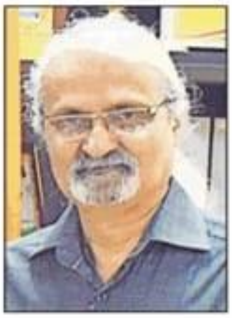

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन शर्मा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ा सम्मान है कि विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रो. और एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शोधकर्त्ता को इस प्रतिष्ठित फैलोशिप के लिए नामित किया गया है।

यह न केवल हकेंवि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता लाएगा, बल्कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक सहयोग के अवसर भी प्रदान करेगा। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के साथ वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हकेंवि में अनुसंधान और शिक्षण की नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा जिसका हमारे विद्यार्थी व शोधार्थी आने वाले समय में लाभ उठा सकेंगे।

प्रो. पवन ने कहा कि इस फैलोशिप का लाभ उठाने से निश्चित रूप से उन्हें अमेरिकी शिक्षा और शिक्षाशास्त्र, वेस्लेयन और हकेंवि के बीच व्यक्तिगत रूप से सहयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुसांस्कृतिक समुदाय बहु-जातीय अनुभव करके अमेरिकी विज्ञान संस्कृति की बेहतर समझ मिलेगी।